बेबी हालदार

(*सन्* 1974 *अनुमानित*)

जम्मू कश्मीर के किसी स्थान पर जन्म, जहाँ सेना की नौकरी में पिता तैनात थे। तेरह वर्ष की उम्र में दुगुनी उम्र के व्यक्ति से विवाह के कारण 7वीं कक्षा में पढ़ाई छोड़नी पड़ी। 12-13 वर्षों बाद पति की ज़्यादतियों से परेशान होकर तीन बच्चों सहित पति का घर छोड़ दुर्गापुर से फरीदाबाद आ गईं। कुछ समय बाद गुड़गाँव चली आईं। बांग्ला में लिखी एवं हिंदी में अनूदित **आलो-आँधारि** एक मात्र पुस्तक। वर्तमान में गुड़गाँव में घरेलू नौकरानी के रूप में कार्यरत।

© NCERT not to be republished